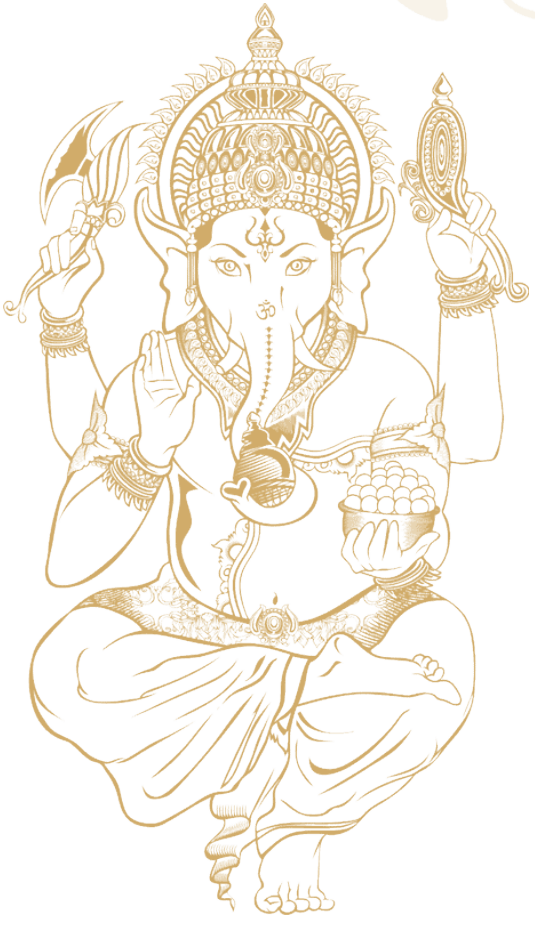

Mr.prshha malii

05 May 1998

05:35 PM

Sangli

Model: web-freekundliweb

Order No: 120456904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/05/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:35:00 घंटे**
इष्ट	28:45:46 घटी
स्थान	**Sangli**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	16:55:00 उत्तर
रेखांश	74:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:03:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:17 घंटे
साम्पातिक काल	07:56:07 घंटे
सूर्योदय	06:04:41 घंटे
सूर्यास्त	18:52:07 घंटे
दिनमान	12:47:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:58:04 मेष
लग्न के अंश	03:53:35 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:53:35	339:29:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मेष	20:58:04	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	14:19:42	11:57:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मेष	22:44:19	00:43:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			मीन	24:24:56	01:00:51	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	26:33:33	00:11:10	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मीन	08:05:02	01:07:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	उच्च राशि
शनि		अ	मेष	02:16:22	00:07:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु			सिंह	14:29:17	00:00:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	14:29:17	00:00:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:51:05	00:00:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:19:52	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:27:48	00:01:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	03:08:57	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:54

लग्न-चलित

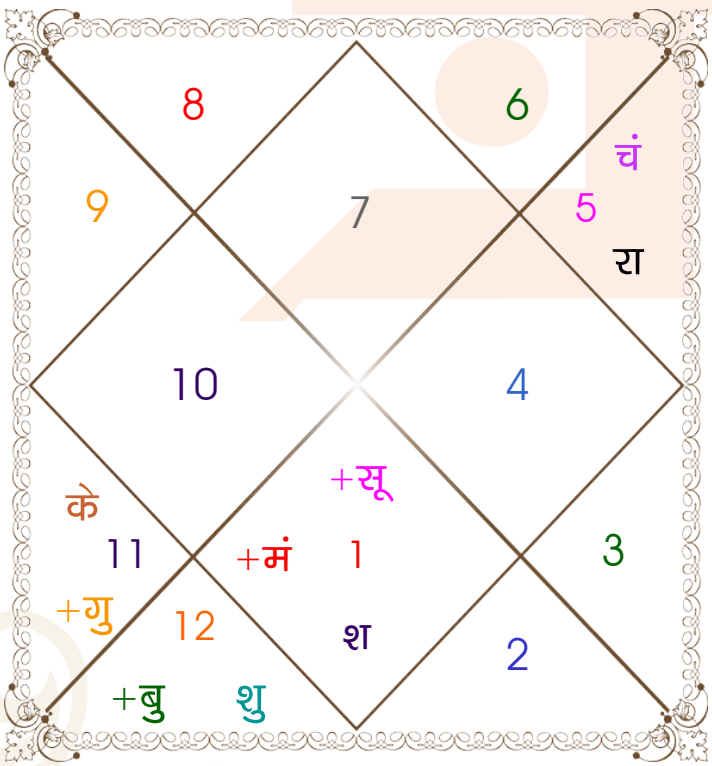

चन्द्र कुंडली

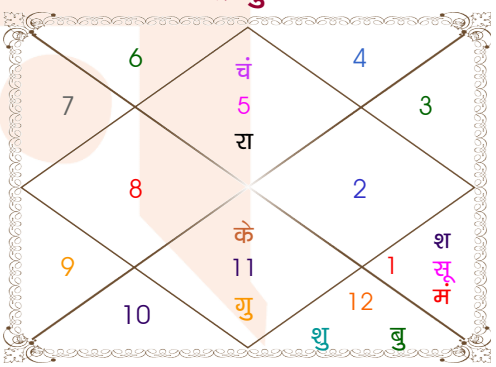

नवमांश कुंडली

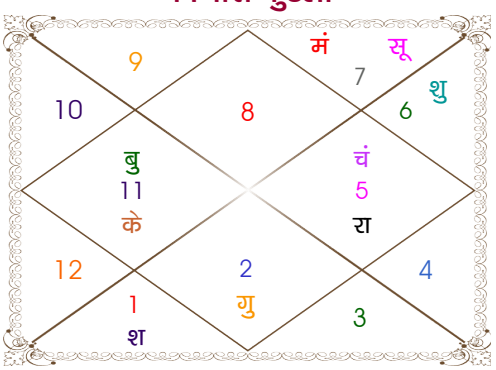

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 6 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/05/1998		06/11/2016		07/11/2022		06/11/2032		07/11/2039	
06/11/2016		07/11/2022		06/11/2032		07/11/2039		06/11/2057	
शुक्र	08/03/2000	सूर्य	24/02/2017	चंद्र	07/09/2023	मंगल	04/04/2033	राहु	20/07/2042
सूर्य	08/03/2001	चंद्र	25/08/2017	मंगल	07/04/2024	राहु	23/04/2034	गुरु	13/12/2044
चंद्र	07/11/2002	मंगल	31/12/2017	राहु	07/10/2025	गुरु	30/03/2035	शनि	20/10/2047
मंगल	07/01/2004	राहु	25/11/2018	गुरु	06/02/2027	शनि	07/05/2036	बुध	08/05/2050
राहु	06/01/2007	गुरु	13/09/2019	शनि	06/09/2028	बुध	05/05/2037	केतु	26/05/2051
गुरु	06/09/2009	शनि	25/08/2020	बुध	06/02/2030	केतु	01/10/2037	शुक्र	26/05/2054
शनि	06/11/2012	बुध	01/07/2021	केतु	07/09/2030	शुक्र	01/12/2038	सूर्य	20/04/2055
बुध	07/09/2015	केतु	06/11/2021	शुक्र	07/05/2032	सूर्य	08/04/2039	चंद्र	19/10/2056
केतु	06/11/2016	शुक्र	07/11/2022	सूर्य	06/11/2032	चंद्र	07/11/2039	मंगल	06/11/2057

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/11/2057		06/11/2073		06/11/2092		07/11/2109		07/11/2116	
06/11/2073		06/11/2092		07/11/2109		07/11/2116		00/00/0000	
गुरु	26/12/2059	शनि	09/11/2076	बुध	05/04/2095	केतु	05/04/2110	शुक्र	06/05/2118
शनि	08/07/2062	बुध	20/07/2079	केतु	01/04/2096	शुक्र	06/06/2111		00/00/0000
बुध	13/10/2064	केतु	28/08/2080	शुक्र	31/01/2099	सूर्य	11/10/2111		00/00/0000
केतु	19/09/2065	शुक्र	29/10/2083	सूर्य	07/12/2099	चंद्र	12/05/2112		00/00/0000
शुक्र	20/05/2068	सूर्य	10/10/2084	चंद्र	09/05/2101	मंगल	08/10/2112		00/00/0000
सूर्य	08/03/2069	चंद्र	11/05/2086	मंगल	06/05/2102	राहु	26/10/2113		00/00/0000
चंद्र	08/07/2070	मंगल	20/06/2087	राहु	22/11/2104	गुरु	02/10/2114		00/00/0000
मंगल	14/06/2071	राहु	26/04/2090	गुरु	28/02/2107	शनि	11/11/2115		00/00/0000
राहु	06/11/2073	गुरु	06/11/2092	शनि	07/11/2109	बुध	07/11/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।